Series : HE5GF

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 3/5/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।

(III) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***चार*** *खंड हैं –* ***खंड-क, ख, ग, घ*** *।*

(iii) ***खंड-क*** *में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है ।*

(iv) ***खंड-ख*** *में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है ।*

(v) ***खंड-ग*** *में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है ।*

(vi) ***खंड-घ*** *में कुल 4 प्रश्न हैं ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है, यद्यपि, कुछ खंडों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(viii) *यथासंभव* ***सभी*** *खंडों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध) **(14)**

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **7**

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी-भर देखी
पकी – सुनहली फसलों की मुसकान

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी-भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी-भर सुन पाया
धान कूटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी-भर सूँघे
मौलसिरी के ढेर- ढेर से ताजे-टटके फूल

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बहुत दिनों के बाद

अबकी मैंने जी–भर तालमखाना खाया

गन्ने चूसे जी–भर

बहुत दिनों के बाद

अबकी मैंने जी–भर भोगे

गंध – रूप – रस – शब्द – स्पर्श सब साथ भू पर

बहुत दिनों के बाद

(क) काव्यांश में धूल के लिए 'चंदन' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है ? 1

(A) उसके गुणों का उल्लेख करने के लिए

(B) उसके रंग का उल्लेख करने के लिए

(C) उसकी पवित्रता का उल्लेख करने के लिए

(D) उसकी कोमलता का उल्लेख करने के लिए

(ख) 'किशोरियों की कोकिल कंठी तान' से क्या अभिप्राय है ? 1

(A) किशोरियों का कंठ कोकिल के समान है ।

(B) किशोरियों की तान कोकिल के समान है ।

(C) किशोरियों का स्वर कोकिल के समान है ।

(D) किशोरियों का गायन कर्ण प्रिय और मधुर है ।

(ग) कवि ने जी–भर क्या भोगा ? 1

(A) फसलों की मुसकान

(B) किशोरियों का गान

(C) ऐन्द्रिक सुख

(D) तालमखानों का स्वाद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) कवि ने अपनी किन-किन इन्द्रियों को कैसे तृप्त किया ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए । **2**

(ङ) बहुत दिनों के बाद कवि को अपने गाँव पहुँचकर कैसा महसूस होता है ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए । **2**

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **7**

भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है । इसके साथ ही यह अपने आपको बदलते समय के साथ ढालती भी आई है । इसमें प्राचीन गौरवशाली मान्यताओं एवं परंपराओं के साथ नवीनता का समावेश भी दिखाई देता है । यह विभिन्न सांस्कृतिक धारणाओं का महासंगम है । इसमें अध्यात्म एवं भौतिकता का समन्वय दिखाई देता है । अपनी पारंपरिक संस्कृति से लेकर तिब्बत, मंगोल, द्रविड़, हड़प्पाई और यूरोपीय धाराओं के समागम के बावजूद भारतीय संस्कृति ने अपना पृथक् अस्तित्व बनाए रखा और नवागत संस्कृतियों की अच्छी बातों को उदारतापूर्वक ग्रहण किया ।

भारतीय संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना के साथ सबके कल्याण की बात कही गई है । साथ ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पवित्र भावना के साथ संपूर्ण विश्व को ही एक परिवार के रूप में स्वीकार किया गया है । हमारी संस्कृति ने जीवन में 'एकल' को स्वीकार करने, उसका मानवर्धन करने या उसकी ओर अग्रसर होने की बात नहीं सिखाई बल्कि 'सकल' को स्थापित किया । 'व्यष्टि' के स्थान पर 'समष्टि' को महत्त्व और प्राथमिकता दी गई है । हमारे पूर्वजों ने सिखाया कि इस नश्वर संसार में 'मैं' का कोई महत्त्व नहीं है । यहाँ तो 'हम' के बिना मनुष्य जीवन का कुछ होने वाला नहीं है । यह सच है कि मनुष्यता का ऐसा उदात्त भाव, संस्कारों की ऐसी तरलता, सरलता और सांस्कृतिक गहराई दुनिया के किसी समाज, धर्म-संस्कृति में नहीं मिलती, जबकि हमारी संस्कृति में ये हमारी धमनियों में प्रवाहित रक्त के समान तथा हमारी श्वासों के साथ हमारी देह में प्रविष्ट करने वाली प्राण-धारा के समान है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें-सँवारें तथा उसकी मज़बूत आधारशिला पर खड़े होकर नए मूल्यों और संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें।

(क) गद्यांश में भारतीय संस्कृति के किस तत्त्व का उल्लेख नहीं किया गया है ? 1

(A) सबके सुख की कामना

(B) सबके कल्याण की भावना

(C) समस्त वसुधा एक परिवार

(D) व्यष्टि उत्थान को प्राथमिकता

(ख) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1

कथन : भारतीय संस्कृति 'एकल' का मानवर्धन करने के स्थान पर 'सकल' का महत्त्व स्थापित करती है।

कारण : भारतीय संस्कृति की विशालता और महत्ता संपूर्ण मानव के साथ तादात्म्य संबंध स्थापित करने में है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(C) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।

(D) कथन व कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ग) 'इस नश्वर संसार में 'मैं' का कोई महत्त्व नहीं है।' – कथन में प्रयुक्त 'मैं' का अर्थ है – 1

(A) अहंकार (B) जीवन

(C) एकल (D) मनुष्य

(घ) भारतीय संस्कृति में 'मैं' की जगह किसे महत्त्व दिया गया है और क्यों ? 2

(ङ) भारतीय संस्कृति के अक्षुण्ण बने रहने का क्या कारण है ? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए। 2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड – ख

(व्यावहारिक व्याकरण) **(16)**

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 \times 1 = 4$

(क) सरल बोलचाल की भाषा में लिखे उनके निबंध, संस्मरण और यात्रा-वृत्तांत काफी चर्चित रहे । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) मान लीजिए कि पुराने ज़माने में भारतीय स्त्रियाँ पढ़ी-लिखी थीं । (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ग) जिसने सुई-धागे का आविष्कार किया उसमें कुछ खास ही योग्यता रही होगी । (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(घ) उसने बताया कि कॉलेज के गेट पर ताला लगा था । (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(ङ) कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हो जातीं । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 \times 1 = 4$

(क) भोर में लोगों ने गीत नहीं सुना । (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

(ख) उनके द्‌वारा मुझे सच्चाई का अहसास कराया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) उठो, अब सोया जाए । (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

(घ) लेखिका ने बचपन में गिल्ली-डंडा भी खेला । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र बिंदु कर्ता हो, उसमें कौन सा वाच्य होता है ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) 'कुमारपाल चरित' एक ऐतिहासिक ग्रंथ है ।

(ख) संगीत एक आराधना है जिसका विधि-विधान है ।

(ग) हालदार साहब जीप में बैठकर वहाँ से चले गए ।

(घ) वह सफल अवश्य है किंतु एक लंबे संघर्ष के बाद ही यह संभव हो पाया ।

(ङ) गांधी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व ने उन्हें प्रभावित किया ।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : 4 × 1 = 4

(क) हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग

लंका सिगरी जल गई, गए निसाचर भाग ।

(ख) यों जलद-यान में विचर-विचर,

था इंद्र खेलता इंद्रजाल ।

(ग) परहित सरिस धर्म नहीं भाई,

परपीड़ा सम नहीं अधमाई ।

(घ) गाकर गीत विरह के तरिनी

वेगवती बहती जाती है ।

(ङ) जटित नीलमनि जगमगति, सींक सुहाई नाँक ।

मनौ अली चंपक-कली, बसि रसु लेतु निसाँक ।।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड – ग

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित) **(30)**

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

आषाढ़ की रिमझिम है । समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है । कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है । धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं । औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी हैं । आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं । ठंडी पुरवाई चल रही । ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी । यह क्या है – यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा । बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं । उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है । उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं ! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

(क) धान की रोपाई करने वाले हलवाहों पर बालगोबिन के गीत का क्या प्रभाव पड़ता था ?

(A) वे रोपनी छोड़कर उस गीत को गाने लगते थे ।

(B) उनकी रोपनी उसके लय-ताल में एकसार हो जाती थी ।

(C) वे गीत की लय पर मगन होकर नाचने लगते थे ।

(D) गीत उनके रोपाई के काम में बाधक सिद्ध होता था ।

(ख) गद्यांश में किस ऋतु का उल्लेख है ?

(A) ग्रीष्म ऋतु

(B) शरद ऋतु

(C) वर्षा ऋतु

(D) शीत ऋतु

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : बालगोबिन भगत का गीत धान की रोपाई को एक उत्सव में बदल देता था ।

कारण : संगीत का मानव के मन-मस्तिष्क पर बहुत गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ता है ।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं ।

(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

(घ) औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर क्यों बैठी थीं ?

(A) रोपाई के समय ऐसा करना रिवाज़ था ।

(B) रोपनी करने पर कलेवा बाँधना होता था ।

(C) उनके घरों में पानी भर गया था ।

(D) थके-हारे आत्मीयों की सुधा शांत करवाना चाहती थी ।

(ङ) "उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने में चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है" का आशय नहीं है –

(A) गीतों में ईश्वर के प्रति प्रार्थना भाव

(B) गीतों में ईश्वर के प्रति समर्पण भाव

(C) गीतों में भक्ति-भाव की परिपूर्णता

(D) गीतों में लोकतत्त्व की अनुभूति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए ।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए ।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए ।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-संदेस पढ़ाए ।
उधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए ।
अब अपनै मन फेर पाइ हैं, चलत जो हुते चुराए ।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए ।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए ।

(क) गोपियों द्वारा कृष्ण को राजनीतिज्ञ क्यों कहा गया ?

(A) अपनों का अच्छे से ख्याल रखने के कारण

(B) प्रेम में छल-कपटपूर्ण व्यवहार करने के कारण

(C) कृष्ण के राजनीति संबंधी गहन ज्ञान के कारण

(D) कृष्ण के एक आदर्श राजा होने के कारण

(ख) 'इक अति चतुर ......' पंक्ति के माध्यम से गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की/पर _______ किया गया है ।

रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प द्वारा कीजिए :

(A) कटाक्ष

(B) उपहास

(C) प्रशंसा

(D) निंदा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) काव्यांश में 'मधुकर' के माध्यम से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

(A) भौंरे की ओर

(B) उद्धव की ओर

(C) कृष्ण की ओर

(D) योग की ओर

(घ) गोपियों को छलपूर्ण क्या प्रतीत होता है ?

(A) उद्धव का कृष्ण के प्रति प्रेम

(B) कृष्ण का राजनीति में प्रवेश

(C) उद्धव और कृष्ण की मित्रता

(D) कृष्ण का उनके प्रति व्यवहार

(ङ) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : गोपियाँ उद्धव से व्यंग्यपूर्ण बातें करती हैं ।

कारण : उद्धव के प्रति मित्रवत एवं आत्मवत भाव के कारण गोपियों की ये सहज अभिव्यक्ति है ।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं ।

(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में दीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) कहते हैं खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं परंतु 'आत्मकथ्य' में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृतियों को भी सबके सामने क्यों प्रकट नहीं करना चाहता ?

(ख) "कहीं पड़ी है उर में मंद-गंध-पुष्प-माल" – 'अट नहीं रही है' कविता से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) फसलें मानव की आधारभूत आवश्यकता से जुड़ी हैं और फसलों का आधारभूत तत्त्व है मिट्टी । वर्तमान जीवन शैली ने अनेक रूपों में इस मिट्टी को प्रभावित किया है । 'फसल' कविता के संदर्भ में इन प्रभावों का उल्लेख कीजिए ।

(घ) "और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है ।" इस पंक्ति में किसकी आवाज़ हिचक से भरी है ? कारण सहित लिखिए ।

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) पानवाला वैसे तो कैप्टन का उपहास करता था परंतु उसकी मृत्यु से वह दुखी क्यों था ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) संगतियों के प्रति गायकों के किस व्यवहार से बिस्मिल्ला खाँ दुखी थे ?

(ग) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और सभ्यता के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) "ताजे खीरे की फाँकों को देखकर लेखक के मुँह में पानी आ रहा था, फिर भी उन्होंने नवाब साहब के खीरा खाने के आग्रह को ठुकरा दिया ।" लेखक के ऐसे व्यवहार का कारण लिखिए ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **$2 \times 4 = 8$**

(क) आजकल के बच्चों का बचपन भोलानाथ के बचपन से कितना भिन्न है ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।

(ख) "साना-साना हाथ जोड़ि..." पाठ में बॉर्डर एरिया में फौजी छावनी पर 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) रचनाकार की रचना बाहरी दबाव से भी प्रभावित होती है । 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि वे कौन से बाहरी दबाव हैं जो किसी रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं ? क्या बाहरी दबाव अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

खंड – घ

(रचनात्मक लेखन) **(20)**

12. (क) आप पूर्णिमा/पुष्कर हैं । संयमित और मीठी वाणी का महत्त्व बताते हुए अपने मित्र को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए । **5**

अथवा

(ख) आप पूर्णिमा/पुष्कर हैं । मोबाइल खो जाने की सूचना देते हुए स्थानीय पुलिस अधिकारी को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए । **5**

13. (क) आप नमित/नमिता हैं । आपने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया था परंतु आपको इसका कोई उत्तर नहीं मिला है । इस संबंध में राज्य परिवहन विभाग को लगभग **80** शब्दों में एक ई-मेल लिखिए । **5**

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) आप नमित/नमिता हैं । क.ख.ग. विद्यालय में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक पद हेतु रिक्तियाँ निकली हैं । इस पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग **80** शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए । **5**

14. निम्नलिखित **तीन** विषयों में से किसी **एक** विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **120** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **6**

(क) बढ़ते भूस्खलन : राष्ट्रीय संकट

संकेत बिंदु –
- भूस्खलन क्या है
- भूस्खलन के कारण
- प्रभाव एवं समाधान

(ख) ओलंपिक – 2024 में भारत का प्रदर्शन

संकेत बिंदु –
- ओलंपिक खेलों का परिचय
- कब और कहाँ
- भारत का प्रदर्शन

(ग) सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

संकेत बिंदु –
- सोशल मीडिया क्या है
- वर्तमान पीढ़ी पर प्रभाव
- बचाव हेतु सुझाव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15. (क) पेय जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु जल मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग **40** शब्दों में तैयार कीजिए । **4**

अथवा

(ख) आपकी हिंदी अध्यापिका सफलतापूर्वक अपना कार्यकाल संपन्न कर सेवानिवृत्त होने वाली हैं । उन्हें बधाई देते हुए लगभग **40** शब्दों में संदेश लिखिए । **4**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंकन योजना

अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025

कक्षा- 10 वीं   विषय: हिंदी (A)   विषय कोड- 002   प्रश्न पत्र कोड- 3/5/2

सामान्य निर्देश:

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– • उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना • उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना • उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना • उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना • आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि • आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	• कुल अंकों के योग में अशुद्धि • प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना • उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना • उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) • उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंकन योजना मार्च, 2025
प्रश्न पत्र कोड: 3/5/2

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	[खंड - क] **(अपठित बोध)**	14
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(क)	(B) उसके रंग का उल्लेख करने के लिए	1
(ख)	(D) किशोरियों का गायन कर्ण प्रिय और मधुर है।	1
(ग)	(C) ऐन्द्रिक सुख	1
(घ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • आँखों को- पकी सुनहली फसल देखकर • नाक को- मौलसिरी के फूल सूँघकर • कानों को- किशोरियों का कर्ण प्रिय मधुर गायन सुनकर • त्वचा को- पगडंडी की धूल के स्पर्श से • जिह्वा को- गन्ने और तालमखाने का आस्वादन कर *कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • ऐंद्रिक सुख और तृप्ति का अनुभव • प्रकृति के रमणीय एवं मनोहर रूप को देखकर मन प्रसन्न (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) -----------------------------	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	*केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	7
(क)	(D) व्यष्टि उत्थान को प्राथमिकता	1
(ख)	(D) कथन व कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(ग)	(C) एकल	1
(घ)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● हम ; ● 'हम' समाज/समष्टि का प्रतीक और समष्टि के विकास में ही वास्तविक मानव विकास ● सबके कल्याण की भावना महत्त्वपूर्ण ● संपूर्ण विश्व एक परिवार *प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * प्रश्न के किसी एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● बदलते समय के अनुरूप स्वयं को ढालना ● प्राचीनता और नवीनता का समावेशन ● मनुष्यता का उदात्त भाव ● सांस्कृतिक गहराई ● 'मैं' के स्थान पर 'हम' को महत्त्व ● अध्यात्म और भौतिकता का समन्वय * कोई दो बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	*केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	उनके निबंध, संस्मरण और यात्रा वृत्तांत काफी चर्चित रहे जो कि सरल बोलचाल की भाषा में लिखे गए थे।	1
(ख)	पुराने ज़माने में भारतीय स्त्रियों का पढ़ा लिखा होना मान लीजिए।	1
(ग)	मिश्र वाक्य	1
(घ)	कॉलेज के गेट पर ताला लगा था - संज्ञा आश्रित उपवाक्य	½+½= 1
(ङ)	कार्तिक आता और बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हो जातीं थी।	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	कर्तृवाच्य	1
(ख)	उन्होंने मुझे सच्चाई का अहसास कराया।	1
(ग)	भाववाच्य	1
(घ)	लेखिका द्वारा बचपन में गिल्ली-डंडा भी खेला गया।	1
(ङ)	कर्तृवाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(क)	ऐतिहासिक- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'ग्रंथ' विशेष्य	1
(ख)	संगीत- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक	1
(ग)	वहाँ से- अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'चले गए' क्रिया की विशेषता	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ)	किंतु- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ रहा है।	1
(ङ)	उन्हें- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक	1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
(ख)	रूपक अलंकार	1
(ग)	उपमा अलंकार	1
(घ)	मानवीकरण अलंकार	1
(ङ)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	5
(क)	(B) उनकी रोपनी उसके लय-ताल में एकसार हो जाती थी।	1
(ख)	(C) वर्षा ऋतु	1
(ग)	(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(घ)	(D) थके-हारे आत्मीयों की क्षुधा शांत करवाना चाहती थी।	1
(ङ)	(D) गीतों में लोकतत्त्व की अनुभूति	1
8.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	5
(क)	(B) प्रेम में छल-कपटपूर्ण व्यवहार करने के कारण	1
(ख)	(A) कटाक्ष	1
(ग)	(B) उद्धव की ओर	1
(घ)	(D) कृष्ण का उनके प्रति व्यवहार	1
(ङ)	(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।	1
9.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **एक** उपयुक्त कारण लिखेंगे- ● जीवन की सुखद निजी स्मृतियों को सार्वजनिक न करने की इच्छा ● सुखद स्मृतियाँ उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब (अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------------------------- * सटीक कारण न लिख पाने परंतु कविता के संदर्भ में कवि की स्मृतियों के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ख)	परीक्षार्थी काव्य-पंक्ति का आशय लिखेंगे- ● फूलों से लदे वृक्षों को देखकर ऐसा प्रतीत होना जैसे प्रकृति ने अपने गले में मंद-मंद सुगंधित फूलों की माला धारण कर ली हो। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * उपयुक्त आशय लिखने पर (2 अंक) ---------------------------- * आशय स्पष्ट न कर पाने परंतु कविता के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में **दो** उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** ● कृषि में रसायनों और कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से मिट्टी का प्रदूषित होना ● फसलों की निरंतर उत्पत्ति से उर्वरता का क्षीण होना ● प्लास्टिक, औद्योगिक कचरे से मिट्टी की गुणवत्ता का कमतर होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------------------------- * सटीक उत्तर न लिख पाने परंतु फसल और मिट्टी की गुणवत्ता के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	लिखने पर (1अंक) ---------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	प्रश्न के **दोनों** हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- संगतकार की; • मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण • मुख्य गायक के महत्त्व और श्रेष्ठता को बनाए रखने के कारण *प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------------------------- *एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे का उत्तर न लिखने पर (1 अंक) ---------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई **एक** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • सहज मानवीय संवेदना • कैप्टन के साथ जुड़ाव महसूस करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------------------------- *सटीक कारण न लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **एक** बिंदु में उत्तर लिखेंगे-	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	• गायकों के मन में संगतियों के प्रति कोई आदर भाव न रह जाना • गायकों की नज़रों में संगतियों का कोई महत्त्व नहीं होना • संगतियों की योग्यता और गुणों को कम आँकना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * सटीक व्यवहार न बता पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- सभ्यता संस्कृति का परिणाम है जैसे, आग और सुई-धागे के आविष्कार की योग्यता संस्कृति है और इसके परिणामस्वरूप सुई-धागे का आविष्कार सभ्यता। * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * संबंध को स्पष्ट न कर पाने परंतु संस्कृति और सभ्यता के संदर्भ में थोड़े बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(घ)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई **एक** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • पहली बार नवाब साहब द्वारा खीरा खाने का आग्रह किए जाने पर इंकार कर देने के कारण • अपने इंकार की बात पर अंत तक कायम रहकर अपने आत्मसम्मान को बचाए रखने की कोशिश के कारण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * सटीक कारण न लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित:	8
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से **दो** बिंदुओं में उपयुक्त तर्कसंगत भिन्नता लिखेंगे, **जैसे** - • पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के अधिकांश खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था आज बच्चे कंप्यूटर/मोबाइल स्क्रीन पर) • पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक आधारित,कृत्रिम संसाधनों से निर्मित • माता-पिता का भोलानाथ के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर • भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल होने के कारण पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण उनके पास समयाभाव • भोलानाथ के बचपन में पढ़ाई का दबाव नहीं, आज बहुत अधिक * दो उपयुक्त बिंदुओं में भिन्नता लिखने पर (2+2=4 अंक) ------------------------------ * किसी एक भिन्नता को विस्तार से लिखने और एक का मात्र उल्लेख करने पर (3 अंक) ------------------------------ * दो भिन्नताओं का संक्षेप में उल्लेख करने पर (2 अंक) ------------------------------ * प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न देने परंतु आजकल के बच्चों अथवा भोलानाथ के बचपन के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त तर्कसंगत उत्तर लिखेंगे, **जैसे** - • आम लोगों के जीवन को सुखद और सुरक्षित बनाने के लिए फौजियों का संघर्ष, त्याग और बलिदान देखकर	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	• दुस्साध्य प्राकृतिक परिस्थितियों और एकाकीपन के कारण फौजियों के जीवन में उत्पन्न समस्याओं एवं पीड़ा का अहसास • एक फौजी की प्रतिक्रिया, "आप चैन की नींद सो सकें इसलिए हम यहाँ पहरा दे रहे हैं" सुन कर * पाठ के संदर्भ में दो उपयुक्त बिंदु विस्तारपूर्वक लिखने पर (2+2=4 अंक) ----------------------------- * किसी एक उपयुक्त बिंदु का विस्तार करने और दूसरे को संक्षेप में लिखने पर (3 अंक) ----------------------------- *किसी एक उपयुक्त बिंदु का विस्तार करने अथवा दोनों बिंदुओं को संक्षेप में लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * प्रश्न का उपयुक्त उत्तर न देने परंतु पाठ से फौजी छावनी की घटना का उल्लेख करने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे - • संपादकों का आग्रह • प्रकाशकों का दबाव • रचनाकारों की अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ; परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • सभी क्षेत्रों के कलाकारों पर आर्थिक आवश्यकता जैसे बाह्य दबाव कार्य करते हैं। * प्रश्न के दोनों हिस्सों का सही उत्तर लिखने पर (1+1+2= 4 अंक) ----------------------------- * पहले हिस्से के लिए दो बिंदु लिखने और दूसरे का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर अथवा * पहले हिस्से के लिए एक बिंदु लिखने और दूसरे का विस्तृत उत्तर लिखने पर (3 अंक) ----------------------------- * एक हिस्से का सही उत्तर लिखने और दूसरे का उत्तर न लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * पहले हिस्से के लिए एक बिंदु लिखने अथवा दूसरे हिस्से का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक)	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
12. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता =1 अंक **विशेष निर्देश :-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
13. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल अथवा स्ववृत्त-लेख अपेक्षित : **औपचारिक ई-मेल :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश:-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक	5

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	विशेष निर्देश :- • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
14.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन :** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	6
15. (क) अथवा	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित : **विज्ञापन-लेखन :** • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	4

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख)	**संदेश-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in